प्रेस विज्ञप्ति

भाईचारा बढ़ने पर ही मजबूत होगी राष्ट्रीय एकता... राज्यपाल शेखर दत्त जी

रायपुर (छत्तीसगढ़): राज्यपाल महामहिम शेखर दत्त ने कहा कि हमारे देश की विविधता ही हमारी पहचान है और हमें हर तरीके से इसका आदर करना होगा। इस देश की विरासत और संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम का सन्देश देती है।

श्री शेखर दत्त प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा शान्ति सरोवर में आयोजित स्वर्णिम युग के लिए परमात्म अवतरण विषय पर आयोजित वैश्विक महोत्सव को सम्बोधित कर रहे थे। श्री शेखर दत्त ने आगे कहा कि हमारे हर कर्म से देश प्रेम की भावना प्रदर्शित होनी चाहिए। आपसी प्रेम, भाईचारा को बढ़ाकर और सौहार्द्रमय वातावरण बनाकर ही देश की एकता को मजबूत किया जा सकता है। इसके अलावा हमारे जो भी संसाधन हैं, उनका किफायत से उपयोग करना सीखना होगा। हमारा हर कर्म ऐसा हो जो कि देश को मजबूत करे।

मुख्यमंत्री डॉ0 रमनसिंह ने महोत्सव के प्रति शुभकामना व्यक्त करते हुए कहा कि वास्तव में वसुधैव कुटुम्बकम की भावना भारत की ही देन है। हमारे ऋषि मुनियों ने प्राचीनकाल में वसुघैव कुटुम्बकम की जिस व्यापक सोच की परिकल्पना की थी। उसी सोच को आगे ले जाने का कार्य प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा किया जा रहा है। दुनिया में शान्ति और खुशहाली लाने के लिए ऐसे ही प्रयासों की जरूरत है। उन्होंने अपने माउण्ट आबू प्रवास का उल्लेख करते हुए बतलाया कि ब्रह्माकुमारी संस्थान परिवर्तन की भूमि है। माउण्ट आबू में जाकर हम सभी यह भूल गए कि कौन मुख्यमंत्री है और कौन विधायक।

संस्थान के मुख्य प्रवक्ता ब्रह्माकुमार बृजमोहन ने कहा कि हमें गर्व होना चाहिए कि हम भारत वासी हैं। जो कि परमात्म अवतरण की भूमि है। अतिधर्म ग्लानि के समय परमात्मा इसी धरती पर अवतरित होते हैं। इस देश में सभी ऋतुओं का आनन्द मिलता है। यहाँ पर सभी जाति, धर्म, भाषा और रंग के लोग मिल जाएंगे। जापान में जापानी मिलेंगे, अफ्रीका में अफ्रीकी मिलेंगे लेकिन यहाँ पर विविधता के दर्शन होते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय हम अपनी पहचान भूल गए हैं। स्वयं को देह मानने से काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार के वश हो चुके हैं। यही हिंसा का मूल कारण है।

यूरोपियन देशों में ब्रह्माकुमारीज की निदेशिका ब्रह्माकुमारी जयन्ती बहन ने कहा कि आज से काफी वर्ष पहले पिताश्री ब्रह्मा बाबा को साक्षात्कार हुआ था कि आसमान से सितारे धरती पर आ रहे हैं और सुन्दर देवी और देवताओं के रूप में बदल रहे हैं। लेकिन उन्हें यह नहीं मालूम था कि मनुष्यों का यह परिवर्तन कैसे सम्भव हो सकता है। वास्तव में राजयोग से मनुष्यों का संस्कार परिवर्तन होता है। उन्होंने सभी को राजयोग का अनुभव भी कराया।

इससे पहले राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए इन्दौर जोन के निदेशक ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश ने कहा कि परमात्मा विगत 74 वर्षों से राजयोग और आध्यात्मिक ज्ञान के द्वारा संस्कार परिवर्तन का कार्य गुप्त रीति से कर रहे हैं। उन्होंने सभी को परमात्म कार्य में सहयोगी बनने का आह्वान किया।

सभा को फ्रान्स के मार्क फोरकेड, ब्रिटेन की कैराल रिक्कर्ड और ब्रह्माकुमारी कमला बहन ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की पत्नी श्रीमती वीणा सिंह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री रामविचार नेताम, वनमंत्री विक्रम उसेण्डी, कृषि मंत्री चन्द्रशेखर साहू, नगरीय प्रशासन मंत्री राजेश मूणत, संसदीय सचिव भैयालाल रजवाड़े, महापौर किरणमयी नायक सहित बहुत बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।